



Literacy for a Billion

Movie: Mere Mehboob

Year: 1963

Song: Yaad mein teri

Lyricist: Shakeel Badayuni

याद में तेरी जाग जाग के हम  
रातभर करवटें बदलते हैं  
हर घड़ी दिल में तेरी उल्फ़त के  
धीमे धीमे चराग़ जलते हैं  
जबसे तूने निगाह फेरी है  
दिन है सूना तो रात अँधेरी है  
चाँद भी अब नज़र नहीं आता  
अब सितारे भी कम निकलते हैं  
याद में तेरी जाग जाग के हम  
रातभर करवटें बदलते हैं

लुट गई वो बहार की महफ़िल  
छुट गई हमसे प्यार की मंज़िल  
ज़िंदगी की उदास राहों में  
तेरी यादों के साथ चलते हैं  
याद में तेरी जाग जाग के हम  
रातभर करवटें बदलते हैं

तुझको पाकर हमें बहार मिली  
तुझसे छुटकर मगर ये बात खुली  
बाग़बाँ भी चमन के फूलों को  
अपने पैरों से खुद मसलते हैं  
याद में तेरी जाग जाग के हम  
रातभर करवटें बदलते हैं

क्या कहें तुझसे क्यों हुई दूरी  
हम समझते हैं अपनी मजबूरी  
तुझको मालूम क्या के तेरे लिए  
दिल के ग़म आँसुओं में ढलते हैं  
याद में तेरी जाग जाग के हम  
रातभर करवटें बदलते हैं  
हर घड़ी दिल में तेरी उल्फ़त के  
धीमे धीमे चराग़ जलते हैं

*Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.*

*PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.*